



ब्रुसेल्लोसिस (गर्भपात)

डॉ. अनिता राठौड़

पशु व्याधिकी विभाग

पशु चिकित्सा एवम् पशु विज्ञान महाविद्यालय, नवानिया, उदयपुर

<https://doi.org/10.5281/zenodo.7818578>

इसे Bang disease, माल्टाज्वर (Malta Fever), Maltese Fever, मेडिटरेनियन ज्वर (Mediterranean fever), ब्रूसिलोलिस (Brucellosis) या अंडुलेंट ज्वर (Undulant Fever) भी कहते हैं। यह गाय, भैस, भेड़ फैलनी वाली संक्रामक बीमारी है। यह एक जुनोटिक बीमारी है जो पशुओं से मनुष्यों में भी फैलती है। इस बीमारी से पशुओं में 7 – 9 महीने के गर्भकाल में गर्भपात हो जाता है, जिससे पशुपालक को भारी हानि उठानी पड़ती है।

रोग का कारण

यह एक ब्रूसेल्ला नामक जीवाणु द्वारा होता है तथा जीवाणु पशु के गर्भाशय में रहता है। पशु इस जीवाणु को जिन्दगीभर अपने दुध तथा गर्भाशय के स्त्राव के द्वारा बाहर निकालता रहता है।

कैसे होता है ?

- संक्रमित खाना खाने के कारण।
- स्त्राव के सम्पर्क में आने वाले खाद्य पदार्थ के खाने से।
- संक्रमित वीर्य के कारण।
- कच्चा दूध पीने से मनुष्य में फैलता है।
- जेर खाने से।
- घाव के सम्पर्क में आने से।

रोग के लक्षण

- गर्भकाल के अंतिम महीनों में गर्भपात होना ब्रुसेल्लोसिस का प्रमुख लक्षण है।
- गर्भाशय में सूजन व जेर का ठहरना।
- जोड़ी पर सूजन आना।
- मनुष्यों में बुखार, पीट दर्द, जोड़ी में दर्द, भूख में कमी, पसीना आना।
- पशु में दूध का उत्पादन कम होना।
- पशु बांझ हो जाता है।



- नर पशु के वृषणों में सूजन आना ।

रोगनिदान

- स्त्राव, रक्त, सीरम, जेर, वीर्य, दूध की प्रयोगशाला जाँच ।
- Milk Ring Test द्वारा ।

रोकथाम

- एंटीबायोटिक (प्रतिजैविक) औषधिया (सहायक चिकित्सा) ।
- Brucella Abortus Strain 19 (S 19 / Cotton Strain 19) Vaccine का टीका केवल बछड़ीयो में 4 – 8 माह की आयु में लगता है ।
- संक्रमण वाली जगह को फिनायल से साफ करना चाहिए ।
- प्लेसेन्टा / जेर को खड्डे में गाड़ना चाहिए ताकि संक्रमण ना फैल सके ।
- आसपास की जगह को साफ सुथरा रखना चाहिए ।
दस्ताने व मास्क का उपयोग करना चाहिए ।